पराली प्रबंधन प्रमाणपत्र

मैं, सरपंच ग्राम ....किशनकोट.....ब्लॉक श्री हरगोबिंदपुर, जिला गुरदासपुर यह प्रमाणित करता हूँ कि इस वर्ष हमारे गाँव में धान की पराली के प्रबंधन हेतु फीडबैक फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने कृषि विभाग श्री हरगोबिंदपुर के सहयोग से पराली प्रबंधन हेतु कैम्प लगाकर गाँव वालों को पराली न जलाने के लिए प्रेरित किया |

संस्था के सहयोग से हमारे गाँव में धान कटाई के समय राना सुगर मिल/अर्थ रिनुअल संस्था द्वारा बेलर मशीन भी उपलब्ध कराया गया जिसने किसानो को पराली प्रबंधन में सहयोग प्रदान किया | बेलर मशीन के साथ- साथ किसानो ने अन्य तरीकों से भी पराली प्रबंधन किया जिसके परिणामस्वरूप हमारे गाँव में ..35.81..हेक्टेयर धान की पराली को जलने से बचाया जा सका | किसानो द्वारा पराली को जलने से बचाने के लिए जिन तरीकों का प्रयोग किया गया उनका विवरण और उसके परिणाम निम्नांकित तालिका में उपलब्ध है |

क्रमांक	पराली प्रबंधन का तरीका	क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)
1	बेलर मशीन द्वारा	25.50
2	गुज्जर समुदाय के लोंगो द्वारा पशु चारा प्रयोग हेतु	3.64
3	किसानो द्वारा स्वयं के प्रयोग हेतु	6.67
4	रोटावेटर मशीन द्वारा खेत में मिला दिया गया	—
5	सुपरसीडर मशीन द्वारा खेत में मिला दिया गया	—
6	अन्य	—
	कुल योग	35.81

उपरोक्त विवरण गाँव में पराली प्रबंधन के उपरान्त CRM Volunteer द्वारा गाँव में किसानो के साथ किये गए सर्वे पर आधारित है |

ਸਰਪੰਚ,
ਗ੍ਰਾਮ ਪੰਚਾਇਤ ਕਿਸ਼ਨਕੋਟ,
ਬਲਾਕ ਸ੍ਰੀ ਹਰਗੋਬਿੰਦਪੁਰ (ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ)

दिनांक : 06.11.2022

हस्ताक्षर सरपंच

ग्राम – किशनकोट

ब्लॉक – श्री हरगोबिंदपुर

जिला – गुरदासपुर